



XIX/182

PHONE : 4 0 3 2 0  
GRAM : CONGRESS

# INDIAN NATIONAL CONGRESS

## भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

7, JANTAR MANTAR ROAD, NEW DELHI

७, जन्तर मन्तर रोड, नई देहली

१. ६. ५२

पति राम अजयति

प्रिय पंडितजी,

सादर सम्बोधन

खेद है कि आप के २४.२.५२ के पत्र का उत्तर, जो मुझे ५.३.५२ को प्राप्त हुआ था, मैं इतने तनाव से दे रहा हूँ। जैसे उस वार्ड में आप ने जो कृपा-शब्द 'काँग्रेस संदेश' के लिखावट के उनका जल धनदार लगभग सब भास हुआ वह लिखा था 'संदेश' के पंडित प्रकाश पर आपकी सलति मैंने प्रकाशित की थी जो संभवतः आपने देखा होगा। उसकी व्याप्ति अभी भी रही।

शुभ वृष्णा पाई के संबंध में

जिस लेख की तर्की की थी वह साथ में भेज रहा हूँ। 'भोगी' में प्रकाशित सब लेख भी भेज रहा हूँ जिसमें वनास्सी दास त्रिवेदी ने वृष्णा पाई की तर्की की है। वृष्णा पाई की तर्की तो मुझे प्रकाश देवने को मिल जाती है। मैं यह लेख हिंदी दैनिक और लगभग ६० या ७० लाभा (हिंदी) देव लेने हूँ।



पत्र के अंत में 'एन एन' के  
 पत्र के संभवतः प्राप को आश्चर्य ही या मैं प्रापः  
 से ही वजे लाता हू। ६ वजे उठ जाता हू। १५ मिनट  
 ७ से १२ घण्टे का ही तो समय है २ से २ मिनट  
 ६ तक पाठ्य पत्र पर लाता हू। प्राप को पत्र  
 लिखने के बाद अब मासिकी को पत्र लिखेंगा,  
 तब सोने जाऊंगा।

आशा है 'संदेश' प्राप को निर्धारित  
 रूप में प्राप्त होता होगा।

मेरी इसी भाव के पत्र में लगभग  
 दो सप्ताह के लिए प्रयाग में आऊंगा तब ही  
 आएगा प्राप को 'पत्रिका' अब निश्चयतः।

शुभ कृष्ण । आशा है प्राप

स्वस्थ एवं प्रजन ही रहें।

पुनः

पत्रिका के लेखकों के लिए शर्तें  
 आशा कृष्ण की मालिका है या नहीं  
 कि एन एन पत्रिका में ही प्रकाशित की जाएगी  
 पाठ्य पत्र में लेखकों को और तब प्राप  
 वास्तव में इसी मालिका २,१० दिन ५.५०  
 उद्योग ३ से लौटेंगे।

{ प्राप को,  
 एक लेखिका